(e) Lack of adequate infrastructure for maintenance of Shatabdi rake at Bokaro Steel City.

New railway line projects during the Eigth and Ninth Five Year Plans

1457. SHRI W. ANGOU SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the new railway line projects started during the Eighth Five Year Plan with the States covered;

(b) proposed new railway line projects to be taken up during the Ninth Five Year Plan with the States to be covered; and

(c) whether Government have a plan to take up new railway line projects in the N.E. Region.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) The following projects have been/are being started during the 8th Five Year Plan:—

S. No.	Name of the projects	Kms	State
1.	Dudhni-Depa	17.5	Meghalaya
2.	Amrawati-Narkher	13.8	Maharastra
3.	Peddapalli-Karim Nagar-Nizamabad	177	Andhra Pradesh
4.	Lanjigarh Rd.-Junagarh	54	Orissa.
5.	Udhampur-Srinagar-Baramula	290	Jammu & Kashmir
6.	Khurda Rd-Bolangir	289	Orissa
7.	Ahmednagar-Beed-Parli-Vaijnath	250	Maharastra
8.	Kuttur-Harihar	65	Karnataka
9.	Dallirajhara-Jagdalpur	235	Madhya Pradesh
10.	Nandyal-Yerraguntala	126	Andhra Pradesh
11.	Sakri-Hasanpur	76	Bihar
12.	Kadur-Chikmagalur-Sakleshpur	100	Karnataka.
13.	Gangapur City-Dausa	93	Rajas than.
14.	Kumarghat-Agartala (1996-97)	119	Tripura.
15.	Haridaspur-Paradeep	78	Orissa.

(b) The Projects have not been identified so far.

(c) Yes, Sir, List is given in (a) above.

मध्य प्रदेश में दन्तैल हाथी विश्नन बहादुर की मौत

1458. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केन्द्र द्वारा प्रवर्तित हाथी योजना के अधीन मध्य प्रदेश में दन्तैल हाथी विश्नन बहादुर को कब पकड़ा गया था और उसे पकड़ने में विभिन्न मदों पर केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों द्वारा मद-वार कुल कितनी धनराशि व्यय की गई;

(ख) उक्त हाथी कब और किन कारणों से मर गया;

(ग) क्या इस हाथी की मृत्यु उसमें किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने के बावजूद भी उसका उपयुक्त उपचार न किए जाने के कारण हुई; और

(घ) यदि हां, तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) दन्तैल हाथी विशन बहादुर को केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम "हाथी परियोजना" के तहत नहीं पकड़ा गया था बल्कि उसे मध्य प्रदेश शासन द्वारा राज्य आयोजना के तहत 32,945 रु० की राशि खर्च करके 13.7.95 को पकड़ा गया था। इस मंत्रालय में राज्य आयोजना के तहत व्यय के शीर्ष वार ब्यौरे नहीं रखे जाते हैं।

(ख) और (ग) 20.10.1995 को इस हाथी की मृत्यु श्वासावरोध के कारण होना बताया गया है न कि उचित उपचार नहीं किए जाने के कारण पशु चिकित्सकों के पर्यवेक्षण के तहत इसके खुराक और चिकित्सकीय उपचार की उचित व्यवस्थाएं की गई थी।

(घ) दन्तैल हाथी की मृत्यु के लिए किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी को उत्तरदायी नहीं ठहराया जाना बताया गया है। अतः कार्रवाई करने का प्रश्न नहीं उठता है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा उत्खनन और रख-रखाव

1459. **श्री नागेन्द्र नाथ ओझा:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पुरातत्व की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण स्थानों के उत्खनन और रख-रखाव का कार्य करता है;

(ख) यदि हां, तो बिहार में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की देख-रेख में कितने स्थान हैं और उनके नाम क्या-क्या हैं; और

(ग) पिछले दस वर्षों के दौरान नये स्थलों के उत्खनन और रख-रखाव के संबंध में क्या-क्या कार्य किये गये हैं और उस पर कितनी धनराशि खर्च की गयी है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस०आर० बोम्मई): (क) जी, हां।

(ख) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण बिहार में कुल 76 स्थलों तथा स्मारकों का संरक्षण एवं रखरखाव करता है। सूची विवरण के रूप में संलग्न है (नीचे देखिए)

(ग) पिछले दस वर्षों के दौरान बिहार में अशोक धाम, जिला लखीसारी, कुशी, कान्ती एवं कोल्हुआ, जिला मुजफ्फरपुर; राजा विशाल का गढ़ तथा चेचर, जिला वैशाली तथा डुल्मी, जिला सिंहभूम में प्राचीन स्थलों की खुदाई की गयी है। जहां तक उत्खनन पर व्यय की गई धनराशि का संबंध है, इस बात को मद्देनजर रखते हुए कि वित्तीय वर्ष 31 मार्च को समाप्त होता है, जबकि कई मामलों में उत्खनन कार्य इस तारीख के बाद अगले वर्ष भी चलता रहता है। किसी भी स्थल के उत्खनन कार्य पर किए गए वास्तविक व्यय का सही-सही ब्यौरा तैयार करना संभव नहीं है। इसके अलावा, उत्खनन कार्य के लिए निर्धारित धनराशि का उपयोग इससे संबद्ध कार्य यानी प्रशिक्षण तथा स्थलों एवं पुरावशेषों के मानचित्र तैयार करने, दस्तावेज बनाने तथा रखरखाव में भी किया जाता है। तथापि इन स्थलों के उत्खनित अवशेषों के रखरखाव/संरक्षण पर 7,25,345/-रुपये की धनराशि खर्च की गई है।

विवरण

बिहार में केन्द्र द्वारा संरक्षित स्मारकों/स्थलों की सूची

क्रम सं०	स्थान	स्मारक/स्थल का नाम
1	2	3
	जिला औरंगाबाद	
1.	शमशेरनगर	शमशेर खान का मकबरा
	जिला भागलपुर	
2.	अन्तिचाक माथोरापुर एवं ढरियप	विक्रमशिला मठ का प्राचीन स्थल
3.	गोलगोंग	शैल मंदिर
4.	माथोरापुर	पत्थरघाट पहाड़ी पर बटेश्वर गुफा से लगी हुई पातालपुरी गुफा एवं भूमि
5.	पत्थरघाट	शैल प्रतिमाएं
	जिला पूर्व चम्पारण	
6.	चांकी	भग्न दुर्ग, चाकीगढ़
7.	मारहिया	नंदनगढ़ स्थित किले का परकोटा
8.	—वही—	नंदनगढ़ स्थित भग्न दुर्ग
9.	—वही—	वैदिक समाधि टीले
10.	पकरी	वैदिक समाधि टीले
11.	सागर्दिह	किले के अवशेष
12.	ताजपुर देयूर	बौद्ध स्तूप